



न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड  
Nuclear Power Corporation Of India Limited

**न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन  
ऑफ इंडिया लिमिटेड**  
(भारत सरकार का उद्यम)  
**NUCLEAR POWER CORPORATION  
OF INDIA LIMITED**  
(A Government of India Enterprise)

विक्रम साराभाई भवन,  
मध्य मार्ग अणुशक्तिनगर,  
मुंबई - 400 094.

**Vikram Sarabhai Bhavan,**  
**Central Avenue Road,**  
**Anushaktinagar,**  
**Mumbai - 400 094**



दूरभाष / Phone : +91-22-2599 1215  
सीधा / Direct : +91-22-2555 8490  
फैक्स / Fax : +91-22- 2599 1218  
ई-मेल / E-mail : bvssekhar@npcil.co.in

**बी.वी.एस. शेखर**

उत्कृष्ट वैज्ञानिक

अधिसासी निदेशक (सीपी एवं सीसी)

एवं अपीलीय प्राधिकारी

**B.V.S. SEKHAR**

Outstanding Scientist

Executive Director (CP & CC)

& Appellate Authority

प्रेस विज्ञप्ति

17 मार्च, 2025

### आरएपीपी-7 ग्रिड से जुड़ा

रावतभाटा स्थित 2X700 मेगावाट की राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना 7व8 की इकाई 7 परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (ईआरबी) द्वारा विनिर्दिष्ट सहित सभी पूर्वापेक्षाओं के अनुपालन के पश्चात् आज 02.37 बजे उत्तरी ग्रिड से जोड़ दी गई। इकाई का विद्युत स्तर नियामक अनुमतियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से पूर्ण क्षमता तक बढ़ाया जाएगा।


आरएपीएस-7 देश में स्थापित किए जा रहे सोलह स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) 700 मेगावाट श्रेणी का तीसरा रिएक्टर है। आरएपीपी-8, इसकी दूसरी इकाई भी इसके पीछे-पीछे चल रही है और 2025-26 में इसका प्रचालनरत होना प्रत्याशित है। ये 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर प्रगत संरक्षा विशिष्टताओं से सुसज्जित हैं और विश्व में सर्वाधिक सुरक्षित रिएक्टरों में से एक हैं।

प्रथम दो 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर, यानि काकरापार, गुजरात में केएपीएस 3व4 (2X700 मेगावाट) के सुचारू प्रचालन के बाद, आरएपीपी-7 को सफलतापूर्वक ग्रिड से जोड़ना, एनपीसीआईएल के 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर डिजाइन की सुदृढ़ता और एनपीसीआईएल व भारतीय उद्योगों के सामर्थ्य को इंगित करता है।

स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर, सरकार द्वारा घोषित नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अंतर्गत सन् 2047 तक 100 गीगावाट क्षमता का महत्वपूर्ण घटक है। एक विशिष्ट 700 मेगावाट रिएक्टर प्रतिवर्ष लगभग 5.2 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली (85% संयंत्र भार गुणक पर) उत्पादन करता है जिससे प्रतिवर्ष लगभग 4.5 मिलियन टन कार्बन डाईआक्साइड के समतुल्य उत्सर्जन से बचा जा सकता है।

रावतभाटा स्थल, राजस्थान में पहले ही छह इकाइयां हैं जिनकी कुल क्षमता 1180 मेगावाट है। आरएपीपी 7व8 के पूर्ण हो जाने पर स्थल की संस्थापित क्षमता बढ़कर 2580 मेगावाट हो जाएगी।

इसके साथ, एनपीसीआईएल अब 8880 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ 25 रिएक्टरों का प्रचालन कर रहा है। इसके साथ-साथ 13100 मेगावाट क्षमता का कार्यान्वयन जारी है, आने वाले समय में कई रिएक्टरों के प्रारंभ की भी एनपीसीआईएल की योजना है जो नाभिकीय ऊर्जा मिशन में घोषित सन् 2047 तक 100 गीगावाट न्यूक्लियर विद्युत क्षमता में लगभग आधा योगदान देने हेतु प्रयासोन्मुख है।

  
बी.वी.एस.शेखर



न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड  
Nuclear Power Corporation Of India Limited

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन  
ऑफ इंडिया लिमिटेड  
(भारत सरकार का उद्यम)  
NUCLEAR POWER CORPORATION  
OF INDIA LIMITED  
(A Government of India Enterprise)

विक्रम साराभाई भवन,  
मध्य मार्ग अणुशक्तिनगर,  
मुंबई - 400 094.

Vikram Sarabhai Bhavan,  
Central Avenue Road,  
Anushaktinagar,  
Mumbai - 400 094



दूरभाष / Phone : +91-22-2599 1215  
सीधा / Direct : +91-22-2555 8490  
फैक्स / Fax : +91-22- 2599 1218  
ई-मेल /E-mail : bvssekhar@npcil.co.in

बी.वी.एस. शेखर

उत्कृष्ट वैज्ञानिक

अधिशाली निदेशक (सीपी एवं सीसी)

एवं अपीलीय प्राधिकारी

**B.V.S. SEKHAR**

Outstanding Scientist

Executive Director (CP & CC)

& Appellate Authority

PRESS RELEASE

March 17, 2025

### RAPP-7 is connected to the Grid

The Unit 7 of the 2 X 700 MW Rajasthan Atomic Power Project 7&8 at Rawatbhata, was connected to the Northern Grid today at 02:37 hrs, after complying with all pre-requisites including those stipulated by Atomic Energy Regulatory Board (AERB). The power level of the unit will be increased in steps to full power, in line with the regulatory clearances.

RAPS-7 is the third reactor of 700 MW series of sixteen indigenous Pressurised Heavy Water Reactors (PHWR) being set up in the country. RAPP-8, its twin unit is closely following, and is expected to be operational in 2025-26. These 700 MW PHWRs have advanced safety features and are among the safest reactors in the world.

The successful grid connection of the RAPP-7, after the smooth operation of the first two 700 MW PHWRs, viz. KAPS 3&4 (2X700 MW) at Kakrapar in Gujarat, establishes the robustness of the NPCIL's 700 MW PHWR design and the capabilities of NPCIL and the Indian industries.

The indigenous 700 MW PHWRs will constitute a significant component of the capacity of 100 GW by 2047 announced under the Nuclear Energy Mission by the Government. A typical 700 MW reactor would generate about 5.2 Billion Units of clean electricity (at 85% Plant Load Factor) per annum thereby averting about 4.5 million tons of CO<sub>2</sub> equivalent emissions annually.

Rawatbhata site in Rajasthan already has six units with a total capacity of 1180 MW. On completion of RAPP 7&8, the installed capacity at the site will increase to 2580 MW.

With this, NPCIL now operates 25 reactors with a total capacity of 8880 MW. In addition to 13100 MW capacity under implementation, more reactors are also planned to be launched by NPCIL in future, in its effort to contribute about half of the 100 GW nuclear power capacity by 2047 announced in the Nuclear Energy Mission.

*B.V.S. Sekhar*  
12/3/25  
(B.V.S.Sekhar)

पंजीकृत कार्यालय : सेन्टर-1, 16 वां तल, विश्व व्यापार केन्द्र, कफ परेड, कुलाबा, मुंबई - 400 005.

Regd. Office : Centre - 1, 16th Floor, World Trade Centre, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai - 400 005.

Website : www.npcil.nic.in CIN. U40104 MH 1987 GOI 149458